कला वो जो श्रद्धा में करे अभिवृद्धि

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री संजय देवतले, ब्र.कु.मृत्युंजय, प्रितपल सिंह पन्नु, ब्र.कु.दिव्यप्रभा एवं ब्र.कु.कुसुम कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

ज्ञानसरोवर। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री संजय देवतले ने ब्रह्माकुमारीज कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा 'स्वर्णिम संसार के लिए स्वर्णिम संस्कृति' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भारत से आए विभिन्न विधाओं से जुड़े कलाकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत की उस गौरवशाली संस्कृति जिसका सम्मान सारा विश्व करता है, उसे आज की नई पीढ़ी भूलते जा रही है। शासन अपनी तरफ से प्राचीन संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए योजनाएं बनाता रहता है। भारतीय सिनेमा के सौ वर्ष पूर्ण होने पर हमने उन कलाकारों को भी सम्मानित किया जो पर्दे के सम्मुख दिखाई नहीं देते लेकिन पर्दे के पीछे रहकर महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हर कलाकार को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होने कहा कि जिस शांति की खोजने का प्रयास हम करते रहे वह हमें यहाँ आकर प्राप्त हुई है।

प्रितपल सिंह पन्नु, चेयरमेन, नेशनल इन्टिग्रेटड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एण्ड एक्टिविस्ट्स, करनाल ने कहा कि विश्व के उन्नत विज्ञान के पीछे भी प्रेरणा का स्रोत भारत की प्राचीन संस्कृति ही है। भारत के प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान ने सभी को नवजीवन प्रदान किया है। कला के माध्यम से हम उस बात को भी सभी के दिलों तक पहुंचा सकते हैं जिसे बोलकर या पढ़ाकर नहीं समझाया जा सकता। कलाकार अपनी कला की छाप लोगों के दिलों पर डालता है। पहले की नृत्यकला हमें श्रद्धा व अध्यात्म से जोड़ देती थी लेकिन आज के नृत्य लोगों की भावनाओं को विकृत कर रहे हैं। सूफी गीत श्रोता को सीधे परमात्मा से जोड़ने का कार्य करते थे। ब्रह्माकुमारी संस्था का यह आंदोलन आने वाले समय में बहुत बड़े जन आंदोलन में परिणित होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

ब्रह्माकुमारीज कला एवं संस्कृति प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.कुसुम ने कहा कि कलाकारों के ऊपर बहुत जिम्मेवारी है क्योंकि समाज में उनकी कला का बहुत प्रभाव पड़ता है। अपने संकल्प को श्रेष्ठ बनाएं ताकि दूसरों का भी जीवन श्रेष्ठ बना सकें।

ब्रह्माकुमारीज ट्रांसपोर्ट विंग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.दिव्यप्रभा ने कहा कि जैसी सोच होती है वैसे भी भाव हमारे चेहरे पर आते हैं। विचारों को श्रेष्ठ बनाकर ही श्रेष्ठ वातावरण बनाया जा सकता है।

मुम्बई की ब्र.कु.निहा ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। सांस्कृतिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.सतीश ने कार्यक्रम के विषय को स्पष्ट किया। ब्र.कु.दयाल व भावनगर से आईं ब्र.कु.तृप्ति ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

कोरापुट (उड़ीसा)। उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.स्वर्णा।

मुम्बई (बोरिवली)। टीवी कलाकार रश्मी देसाई, ब्र.कु.दिव्यप्रभा, ठाकोरे देसाई, ब्र.कु.बिन्दु तथा अन्य दीप प्रज्जवलित करते हुए।

उन्नाव (उ.प्र.)। ब्र.कु.सूर्य, सी.डी.ओ.हेमंत कुमार, ब्र.कु.गीता,ब्र.कु. कुसुम तथा उप कृषि निदेशक विनयप्रकाश दीप प्रज्जवलित करते हुए।

परमात्म शक्ति से स्वर्णिम युग महोत्सव सम्पन्न

उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री शाहिद मंजूर, ब्र.कु.चक्रधारी, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु. तथा अन्य महोत्सव का उद्घाटन करते हुए।

मेरठ। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा 'परमात्म शक्ति से स्वर्णिम युग महोत्सव' का आयोजन किया गया। मेले में एक ओर स्वचालित, मनमोहक झांकियों के द्वारा ज्ञान व अनेक रहस्यों को समझाने का अनुपम प्रयोग किया गया था, वहीं दूसरी ओर मेले में भक्तों के लिए बारह ज्योर्तिलिंगम दर्शन व नव दुर्गा की चैतन्य झांकी भी लगायी गयी थी। इसी बीच ब्रह्माकुमारीज़ के विभिन्न वर्गो द्वारा कई समाज के विभिन्न वर्गो को ध्यान में रखते हुए कई जनोपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मेले में परमात्म अनुभूति हेतु राजयोग शिविरों का भी आयोजन किया गया जिनका शहर वासियों ने भरपूर लाभ उठाया।

उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री शाहिद मंजूर ने संस्था को शान्ति दूत बनाया। उन्होंने महोत्सव की रूहानियत से प्रभावित होकर मेरठ व क्षेत्र के लोगों से एक बार इस अद्भुत मेले को अवश्य देखने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्र में साम्प्रदायिक सौहार्द और शान्ति का माहौल सदैव बना रहे।

ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त सचिव ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि परमात्मा ने जब इस दुनिया की रचना की तो वैसी ही थी जैसे वे स्वयं हैं। अर्थात यह दुनिया दिव्य गुणों से सम्पन्न सम्पूर्ण सतोप्रधान थी। हम उस परमात्मा पिता की संतान हैं जिन्हें पवित्रता, ज्ञान, सुख, शांति व प्रेम का सागर कहते हैं। यह संस्था हम सबको ठीक वैसा ही बनाना चाहती है, जैसी हमारी गुणमूर्त पूज्य देवी-देवताओं की मूर्तियाँ हैं। यहाँ असत्य से सत्य की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर और मृत्यु से अमरता की ओर कैसे जाया जाये, यह सिखाया जाता है।

ब्रह्माकुमारीज महिला विंग की अध्यक्षा ब्र.कु.चक्रधारी ने रशिया में चल रही ईश्वरीय सेवाओं का अनुभव सुनाते (शेष पेज 8 पर)

ब्रह्माकुमारीज महिला विंग के कार्यक्रम में डॉ.सरोजनी अग्रवाल अपने विचार प्रकट करते हुए। साथ हैं ब्र.कु.गीता।

राजकोट। आरटीओ इन्सपेक्टर जे.वी.शाह, जयेश भाई उपाध्याय, हसुभाई दवे, ब्र.कु.भारती, महेश भाई जोशी दीप प्रज्जवलित करते हुए।

बारडोली। तनावमुक्त जीवन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.मंजुला, ब्र.कु.गिरीश तथा महेन्द्र भाई।

अलीगढ़। डाक्टरों के लिए आयोजित कार्यक्रम में डॉ.स्नेहलता जैन, ब्र.कु.शीला, ब्र.कु.विनिता तथा अन्य।